SAMYUKTHA KARNATAKA 28 APR 2018 (1)

ರೈಲ್ವೆ ಮಹಿಳಾ ಕಲ್ಯಾಣ ಸಂಘಟನೆಯಿಂದ ಕಾರ್ಮಿಕ ದಿನಾಚರಣೆ

ಸಂ.ಕ.ಸಮಾಚಾರ ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿ

ನೈಋತ್ಯ ರೈಲ್ವೆ ಮಹಿಳಾ ಕಲ್ಯಾಣ ಸಂಘಟನೆಯ ವತಿಯಿಂದ ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿಯ ರೈಲ್ವೆ ಅಧಿಕಾರಿಗಳ ಕ್ಲಬ್‌ನಲ್ಲಿ ಕಾರ್ಮಿಕರ ದಿನವನ್ನು ಶುಕ್ರವಾರ ಆಚರಿಸಲಾಯಿತು.

ನೈಋತ್ಯ ರೈಲ್ವೆ ಮಹಿಳಾ ಕಲ್ಯಾಣ ಸಂಘಟನೆಯ ಉಪಾಧ್ಯಕ್ಷೆ ಮಮತಾ ಪುನೇಠಾರವರು ಕಾರ್ಯಕ್ರಮವನ್ನು ಉದ್ಘಾಟಿಸಿ ಮಾತನಾಡಿ, ಕಾರ್ಮಿಕರ ದಿನಾಚರಣೆಯು ಕಾರ್ಮಿಕರ ಶ್ರಮ ಮತ್ತು ಸಾಧನೆಗಳನ್ನು ನೆನೆಯುವ ದಿನವಾಗಿದೆ. ತನ್ನ ಉತ್ಸಾಹ ಪೂರ್ಣ ಮತ್ತು ಸಮರ್ಪಣಾ ಭಾವದ ಸಿಬ್ಬಂದಿ ರೈಲ್ವೆಯು ಹಲವು ಗಮನಾರ್ಹ ಸಾಧನೆಗಳನ್ನು ಮಾಡಿದೆ ಎಂದರು.

ಈ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ 45 ರೈಲ್ವೆ ಸಿಬ್ಬಂದಿಯನ್ನು ಗೌರವಿಸುವ ಅವಕಾಶ ದೊರೆತ ಬಗ್ಗೆ ಅವರು ಸಂತಸ ವ್ಯಕ್ತಪಡಿಸಿದರು. 25 ವರ್ಷ ಸೇವೆ ಸಲ್ಲಿಸಿರುವ ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿ ವಿಭಾಗದ 25 ಗ್ರೂಪ್ ಡಿ ಸಿಬ್ಬಂದಿ ಮತ್ತು 31.12.2019ರವರೆಗೆ ನಿವೃತ್ತಿಗೊಳ್ಳಲಿರುವ ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿ ವಿಭಾಗದ 20 ಗ್ರೂಪ್‌ಡಿ ಸಿಬ್ಬಂದಿಯನ್ನು ಈ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಸನ್ಮಾನಿಸಲಾಯಿತು.

ರೇಖಾ ರಾಣಿ, ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ; ವಿಮಲ್ ಶಿಂದೆ, ಖಜಾಂಚಿ, ಸೌಮ್ಯ, ಜಂಟಿ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ ಮತ್ತು ನೈಋತ್ಯ ರೈಲ್ವೆ ಮಹಿಳಾ ಕಲ್ಯಾಣ ಸಂಘಟನೆಯ ಇತರ ಸದಸ್ಯರು ಹಾಜರಿದ್ದರು.

ನೈಋತ್ಯ ರೇಲ್ವೆ ಮಹಿಳಾ ಕಲ್ಯಾಣ ಸಂಘಟನೆ ವತಿಯಿಂದ ಕಾರ್ಮಿಕರ ದಿನಾಚರಣೆ ನಡೆಯಿತು. ಸಂಘಟನೆಯ ಉಪಾಧ್ಯಕ್ಷೆ ಮಮತಾ ಪುನೇಠಾ ಅವರು ದೀಪ ಬೆಳಗಿಸಿದರು.

↑

टाइम्स आफ इंडिया/बैंगलूर
THE TIMES OF INDIA/BANGALORE
28 APR 2018 (3)

CITY DIGEST

SWR celebrates Labour Day

South Western Railway Women's Welfare Organisation of Hubballi Division celebrated Labour Day at Railway Officers' Club here on Friday. SWRWWO vice president Mamta Punetha was the chief guest. Twenty-five Group-D staff of the division who have rendered 25 years of service and 20 Group-D staff who will retire up to December 31 next year were felicitated on the occasion.

VIJAYA VANI
28 APR 2018 (2)

ಕಾರ್ಮಿಕರ ದಿನಾಚರಣೆ ಉದ್ಘಾಟನೆ

ನೈಋತ್ಯ ರೈಲ್ವೆ ಮಹಿಳಾ ಸಂಘಟನೆಯಿಂದ ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿಯಲ್ಲಿ ಆಯೋಜಿಸಿದ್ದ ಕಾರ್ಮಿಕರ ದಿನಾಚರಣೆಯನ್ನು ಸಂಘಟನೆಯ ಉಪಾಧ್ಯಕ್ಷೆ ಮಮತಾ ಪುನೇಠಾ ಉದ್ಘಾಟಿಸಿದರು. 25 ವರ್ಷ ಸೇವೆ ಸಲ್ಲಿಸಿದ, ನಿವೃತ್ತಿ ಹೊಂದಲಿರುವ ಸಿಬ್ಬಂದಿಯನ್ನು ಸನ್ಮಾನಿಸಲಾಯಿತು. ಸಂಘಟನೆ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ ರೇಖಾ ರಾಣಿ, ವಿಮಲ್ ಶಿಂಧೆ, ಸೌಮ್ಯ ಮತ್ತಿತರರು ಹಾಜರಿದ್ದರು.

[Same articles]

राजस्थान पत्रिका/बैंगलूर
RAJASTHAN PATRIKA/BANGALORE 28 APR 2018

सराहनीय...

बाल तस्करी रोकने में रेलवे की अहम भूमिका: सत्यार्थी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

बेंगलूरु. दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) द्वारा गुरुवार को बच्चों के बचाव पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसे नोबेल विजेता और बाल अधिकार कार्यकर्ता कैलाश सत्यार्थी ने संबोधित किया। सत्यार्थी ने कहा कि बाल तस्करी के खिलाफ अभियान में सभी वर्गों का सशक्त समर्थन मिला है और रेलवे पुलिस तथा रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के सहयोग के बिना यह संभव नहीं हो सकता है। उन्होंने रेल पुलिस और आरपीएफ के इस दिशा में निरंतर सहयोग की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि बाल तस्करी रोकना न सिर्फ पुलिस और आरपीएफ का काम है बल्कि यह नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी बनती है कि वे ऐसी घटनाओं को रोकने में सहभागिता सुनिश्चित करें और बाल तस्करों के खिलाफ सक्रिय हों।

उन्होंने बताया कि बाल तस्करी रोकथाम के खिलाफ तब तक कोई अंतरराष्ट्रीय कानून नहीं था जब तक उन्होंने इसके खिलाफ वैश्विक मुहिम नहीं चलाया था। हालांकि बाद में दुनिया के 103 देशों के 15 करोड़ से ज्यादा लोग इस मुहिम में जुड़े और अंततः अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठनों ने भी साथ दिया, जिसके परिणाम स्वरूप वैश्विक स्तर पर बाल तस्करी रोकने में बड़ी सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि उनकी इस पहल से अब तक 103 मिलियन बच्चों को तस्करी से मुक्त कराया जा चुका है और वे चाहते हैं कि बाल तस्करी का पूरी तरह से खात्मा हो।

इसके पूर्व कार्यक्रम के आरंभ में दपरे के मुख्य संरक्षा आयुक्त डी.बी. कासर ने सभी का स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित दपरे के महाप्रबंधक ए.के. गुप्ता ने बाल तस्करी पर रोक लगाने की महत्ता पर प्रकाश डाला और कैलाश सत्यार्थी के कार्यों की प्रशंसा की। इस अवसर पर रेल पहिया कारखाना यलहंका की आरपीएफ सुरक्षा आयुक्त देबस्मिता चट्टोपाध्याय ने दपरे के नन्हें फरिश्ते अभियान के तहत पिछले 250 दिनों में 650 लड़के और 90 लड़कियों को बचाने के लिए सम्मान ग्रहण किया।

मैसूरु मंडल में आरपीएफ का विशेष अभियान

दपरे के मैसूरु मंडल में आरपीएफ ने यात्रियों को सुरक्षित और भय मुक्त यात्रा सुनिश्चित कराने के लिए पिछले कुछ समय के दौरान विशेष अभियान चला रखा है। नतीजतन, वर्ष 2018 में मार्च तक 276 7 को रेलवे अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया था और छह लाख तीस हजार और पचास रुपए जुर्माना राशि वसूली गई। इसके अतिरिक्त 19 किन्नरों पर भी जुर्माना लगाया जो ट्रेनों में यात्रियों से पैसे वसूलते थे।

नोबल विजेता ने शांत की जिज्ञासाएं

बेंगलूरु. शेषाद्रिपुरम एजुकेशनल ट्रस्ट के शेषाद्रिपुरम फर्स्ट ग्रेड कॉलेज यलहंका न्यू टाउन तथा इंण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एलुमिनी एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में सिल्वर जुबली समारोह हुआ। समारोह के मुख्य वक्ता नोबल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी थे।

उन्होंने विद्यार्थियों के बीच जाकर उनके सवालों के जवाब दिए। इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस के पूर्व निदेशक प्रो. पी बलराम ने बेंगलूरु नॉर्थ साइंस फोरम का उद्घाटन किया। समारोह के विशिष्ट अतिथि डिफेंस रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट आर्गनाइजेशन के पूर्व महानिदेशक डॉ. वीके अत्रे, इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एलुमिनी एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. एमपी रविन्द्र, शेषाद्रिपुरम एजुकेशनल ट्रस्ट के महासचिव डॉ. वूडे पी कृष्णा थे। अध्यक्षता शेषाद्रि एजुकेशनल ट्रस्ट के अध्यक्ष एनआर पंडितराये ने की। प्रारंभ में सह-समन्वयक प्रो. जी रविशंकर ने स्वागत किया। समन्वयक प्रो. शांतनु दास व प्राचार्य डॉ. एसएन वेंकटेश सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।